राज्यपाल ने भगवान बिरसा मुंडा को दी श्रद्धांजलि

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने भगवान बिरसा मुंडा को बलिदान दिवस पर मंगलवार को लोकभवन में श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर राज्यपाल के प्रमुख सचिव डॉ. नवनीत मोहन कोठारी सहित लोकभवन के अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे। श्री पटेल ने स्वर्ण जयंती सभागार में धरती आबा बिरसा मुंडा के छायाचित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की। भगवान बिरसा मुंडा का स्मरण कर नमन किया।

मुख्यमंत्री ने बिरसा मुंडा के बलिदान दिवस पर श्रद्धांजलि अर्पित की

भोपाल : मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने जनजातीय गौरव, महान स्वतंत्रता सेनानी, 'धरती आबा' भगवान बिरसा मुंडा के बलिदान दिवस पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। डॉ. यादव ने अपने संदेश में कहा कि भगवान बिरसा मुंडा जनजातीय समाज की अस्मिता व संस्कृति के संरक्षण के लिए भी निरंतर संघर्षशील रहे। जल-जंगल-जमीन की रक्षा और राष्ट्र की स्वाधीनता के लिए उन्होंने अपना सर्वस्व न्यौछावर कर दिया। भगवान बिरसा मुंडा के योगदान के प्रति यह राष्ट्र हमेशा कृतज्ञ रहेगा।

शौर्या दल : मध्यप्रदेश कैबिनेट ने 2030-31 तक दी निरंतरता की मंजूरी

22 लाख महिलाओं की देश की सबसे बड़ी साइलेंट आर्मी

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः मध्यप्रदेश सरकार ने महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए 'शौर्या दल' को वर्ष 2030-31 तक निरंतर जारी रखने की मंजूरी प्रदान की है। यह पहल राज्य में महिलाओं की सुरक्षा, जागरूकता और सामाजिक भागीदारी को मजबूत करने का एक बड़ा माध्यम बन चुकी है।

वर्तमान में इस नेटवर्क से 22.52 लाख से अधिक महिलाएं और किशोरियाँ जुड़ी हुई हैं, जो इसे देश की सबसे बड़ी सामाजिक साइलेंट आर्मी बनाती है। प्रदेश के गांवों, आदिवासी अंचलों और शहरी क्षेत्रों में सक्रिय ये शौर्या दल महिलाएं घरेलू हिंसा, बाल विवाह, मानव तस्करी और सामाजिक कुरीतियों पर रोक लगाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। ये महिलाएं घटनाओं के बाद प्रतिक्रिया देने के बजाय पहले ही संभावित समस्याओं की पहचान कर सामुदायिक स्तर पर समाधान का प्रयास करती हैं। इससे कई मामलों को पुलिस और प्रशासन के हस्तक्षेप से पहले ही सुलझा लिया जाता है। इस दल में लगभग 7.64 लाख छात्राएँ और युवा लड़कियाँ शामिल हैं, जबकि 14.88 लाख गृहिणियाँ और अनुभवी महिलाएं इससे जुड़ी हैं। अनुभव और युवा ऊर्जा का यह संयोजन इसे और अधिक प्रभावी बनाता है। महिला एवं बाल विकास विभाग के अनुसार यह मॉडल महिलाओं को न केवल जागरूक बना रहा है, बल्कि उन्हें अपने अधिकारों के प्रति सजग और आत्मनिर्भर भी कर रहा है। सरकार का मानना है कि शौर्या दल ने प्रदेश में सामाजिक परिवर्तन की एक नई मिसाल पेश की है। यह पहल स्वास्थ्य, शिक्षा, पोषण और सुरक्षा जैसे क्षेत्रों में भी महिलाओं की भागीदारी को बढ़ा रही है। इसके माध्यम से महिलाएं अब योजनाओं की केवल लाभार्थी नहीं, बल्कि बदलाव की सक्रिय भागीदार बन रही हैं। कुल मिलाकर, शौर्या दल को अगले पाँच वर्षों तक जारी रखने का निर्णय महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक सशक्त कदम माना जा रहा है, जो मध्यप्रदेश को सामाजिक सुधार के क्षेत्र में एक मॉडल राज्य के रूप में स्थापित कर रहा है।

निर्माण गुणवत्ता पर सख्तीः 8 एजेंसियां ब्लैकलिस्ट, 29 कार्यों में सुधार के निर्देश

भोपाल। लोक निर्माण विभाग द्वारा प्रदेश में निर्माण कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए चलाए जा रहे औचक निरीक्षण अभियान के तहत 35 निर्माण कार्यों की जांच की गई। रायसेन, सिवनी, दतिया, बड़वानी, शहडोल, रतलाम और पन्ना जिलों में विशेष निरीक्षण दलों ने निर्माणाधीन एवं पूर्ण कार्यों का परीक्षण किया। मध्यप्रदेश सड़क विकास निगम के एमडी भरत यादव ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से निरीक्षण रिपोर्ट की समीक्षा की। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि निर्माण कार्यों में किसी भी प्रकार की तकनीकी लापरवाही या गुणवत्ता से समझौता बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। निरीक्षण के दौरान गंभीर अनियमितताएं पाए जाने पर 8 निर्माण एजेंसियों को ब्लैकलिस्ट करने के निर्देश दिए गए। इनमें शहडोल, पन्ना और रायसेन जिलों की सड़क परियोजनाएं शामिल हैं। कई मामलों में संबंधित अधिकारियों को नोटिस जारी किए गए हैं। इसके अलावा कुल 29 कार्यों में सुधारात्मक कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। एमडी ने कहा कि इन कार्यों की पुनः जांच की जाएगी और लापरवाही पाए जाने पर सख्त कार्रवाई होगी। वर्षाकाल को देखते हुए सड़कों और पुलों की मरम्मत को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए गए हैं। जलमग्न पुलों पर चेतावनी संकेतक और आपातकालीन हेल्पलाइन नंबर अनिवार्य रूप से लगाने को कहा गया है।

वरिष्ठजन की सेवा में निहित है मानवता का सच्चा संदेशः नारायण सिंह कुशवाह

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन कल्याण नारायण सिंह कुशवाह ने मंगलवार को शाहजहानाबाद स्थित आसरा वृद्धाश्रम का दौरा कर वरिष्ठ नागरिकों के साथ समय व्यतीत किया।

उन्होंने विधि-विधान से पूजा-अर्चना में भाग लिया और सुंदरकांड पाठ में सहभागिता की। श्री कुशवाह ने वृद्धाश्रम में निवासरत बुजुर्गों से संवाद कर उनकी कुशलक्षेम जानने के साथ उनकी आवश्यकताओं की जानकारी भी प्राप्त की। उन्होंने वृद्धजन को वस्त्र और भोजन प्रसादी वितरित कर उनकी सेवा का प्रत्यक्ष उदाहरण प्रस्तुत किया। वरिष्ठ नागरिक अनुभव, संस्कार और परंपराओं के वाहक हैं, उनका सम्मान करना प्रत्येक नागरिक का नैतिक दायित्व है। इस अवसर पर बुजुर्गों ने श्री कुशवाह के प्रयास की सराहना की और उन्हें आशीर्वाद प्रदान किया। उपस्थित लोगों ने वरिष्ठजन की सेवा को भारतीय संस्कृति और मानवीय मूल्यों का प्रतीक बताया।

इंदौर पीटीसी में 983 नव आरक्षकों का दीक्षांत

जनता का विश्वास ही पुलिस की सबसे बड़ी ताकतः डीजीपी

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः पुलिस प्रशिक्षण महाविद्यालय, इंदौर में 78वें नव आरक्षक बुनियादी प्रशिक्षण सत्र का भव्य दीक्षांत समारोह आयोजित किया गया, जिसमें 983 नव आरक्षक मध्यप्रदेश पुलिस की मुख्यधारा में शामिल हुए। समारोह में डीजीपी श्री कैलाश मकवाणा ने मुख्य अतिथि के रूप में परेड की सलामी ली और उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रशिक्षुओं की सराहना की।

डीजीपी ने कहा कि पुलिस की सबसे बड़ी शक्ति हथियार या अधिकार नहीं, बल्कि जनता का विश्वास है। उन्होंने नव आरक्षकों से अपेक्षा की कि वे तकनीकी रूप से दक्ष, संवेदनशील और नैतिक रूप से मजबूत बनें। बदलते समय में साइबर अपराध और डिजिटल तकनीक की चुनौतियों का सामना करने के लिए पुलिसकर्मियों को निरंतर सीखते रहना होगा। समारोह में 787 महिला और 196 पुरुष आरक्षकों ने प्रशिक्षण पूरा कर पुलिस सेवा में प्रवेश किया। दीक्षांत परेड में अनुशासन, आत्मविश्वास और देशभक्ति की झलक देखने को मिली। डीजीपी ने कहा कि मध्यप्रदेश पुलिस का लक्ष्य आधुनिक, पारदर्शी और जनविश्वास आधारित व्यवस्था को मजबूत करना है। उन्होंने यह भी बताया कि प्रदेश पुलिस ने नक्सलवाद के खिलाफ महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है और आने वाले समय में सिंहस्थ-2028 जैसी बड़ी जिम्मेदारियों के लिए तैयारी आवश्यक है।

कार्यक्रम में सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से भारतीय संस्कृति और लोकमाता अहिल्याबाई के जीवन पर आधारित नाट्य मंचन ने सभी को आकर्षित किया। समारोह के अंत में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रशिक्षुओं को सम्मानित किया गया।

प्रधानमंत्री मोदी के 12 वर्ष पूर्ण होने पर प्रदेश में 21 तक हो रहे हैं जनकल्याण कार्यक्रम

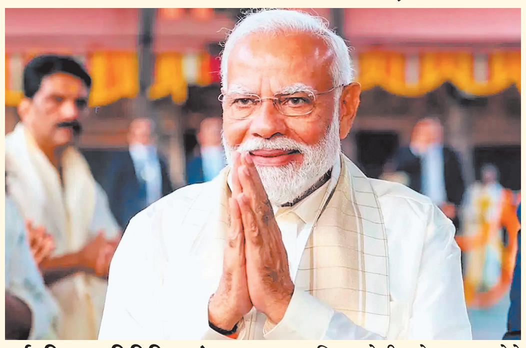

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 12 वर्ष के निरंतर कार्यकाल पूर्ण होने पर उन्हें बधाई दी है। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि ऐतिहासिक है और इसके उपलक्ष्य में प्रदेश में 21 जून तक जनकल्याणकारी गतिविधियों से जुड़े विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री मंत्रालय में मंत्रि-परिषद की बैठक से पहले मंत्रियों को संबोधित कर रहे थे। इस अवधि में प्रदेश के प्रत्येक विकासखंड और नगरीय निकायों में जनकल्याण शिविर लगाए जाएंगे, जिनमें पात्र हितग्राहियों को विभिन्न सरकारी योजनाओं से जोड़ा जाएगा। साथ ही पर्यावरण संरक्षण के तहत 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान, स्वच्छता और प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन जैसे कार्य भी किए जाएंगे। 19 और 20 जून को प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए कृषि विशेषज्ञों द्वारा कार्यशालाएं आयोजित होंगी। वहीं 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पूरे प्रदेश में योग कार्यक्रमों के साथ मनाया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि स्थानांतरण की समय-सीमा 15 जून तक ही लागू रहेगी और इसे आगे नहीं बढ़ाया जाएगा। सभी विभागों को निर्धारित समय में कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए गए हैं।

इसके साथ ही प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना के तहत सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने पर जोर दिया गया है। प्रदेश में अब तक 2 लाख से अधिक उपभोक्ता जुड़ चुके हैं और लक्ष्य 6 लाख नए कनेक्शन का है। मुख्यमंत्री ने उर्वरक आपूर्ति की निगरानी के लिए प्रत्येक जिले में नोडल अधिकारी नियुक्त करने के निर्देश भी दिए हैं।

पीएम स्वनिधि योजना से 10 लाख पथ विक्रेता लाभान्वित

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः प्रदेश में प्रधानमंत्री स्ट्रीट वेंडर्स आत्मनिर्भर निधि (पीएम स्वनिधि) योजना के तहत अब तक 10 लाख से अधिक पथ विक्रेताओं को लाभान्वित किया जा चुका है। राज्य सरकार, नगरीय निकायों और बैंकिंग संस्थाओं के समन्वित प्रयासों से यह उपलब्धि हासिल हुई है, जिससे छोटे व्यापारियों के स्वावलंबन को नई दिशा मिली है। योजना की पहुँच को अंतिम छोर तक मजबूत करने के लिए प्रदेश में 1 जून से 30 जून तक विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसके तहत जिला मुख्यालयों पर 'स्वनिधि महोत्सव' आयोजित किए जाएंगे, जिनमें लाभार्थियों की सफलता की कहानियाँ साझा की जाएंगी और उत्कृष्ट वेंडर्स को सम्मानित किया जाएगा। नगरीय निकायों में 'लोक कल्याण मेले' के माध्यम से पथ विक्रेताओं को बिना गारंटी ऋण, कम ब्याज दर पर वित्तीय सहायता, क्रेडिट कार्ड सुविधा और डिजिटल लेनदेन से जुड़ी सेवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। इसके साथ ही बैंकर्स और वेंडर्स के बीच विशेष बैठकें आयोजित कर समस्याओं का समाधान किया जाएगा। दूरस्थ और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में 'स्वनिधि कैंप' लगाकर नए और छूटे हुए पथ विक्रेताओं को योजना से जोड़ने की प्रक्रिया तेज की जाएगी। सरकार का उद्देश्य है कि कोई भी पात्र लाभार्थी योजना से वंचित न रहे और सभी को आत्मनिर्भर बनने का अवसर मिले।

पैंगोलिन तस्करी में 4 आरोपी गिरफ्तार

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः *मध्यप्रदेश स्टेट टाइगर स्ट्राइक फोर्स (एसटीएसएफ) ने वन्यजीव अपराध के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए पैंगोलिन के अवयवों की तस्करी में शामिल 4 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। कार्रवाई के दौरान आरोपियों के कब्जे से लगभग 5 किलोग्राम पैंगोलिन की शल्क (स्केल), एक मोटरसाइकिल और एक चार पहिया वाहन जब्त किया गया। यह कार्रवाई प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यजीव) के निर्देशों और वन्यजीव अपराध नियंत्रण ब्यूरो से प्राप्त सूचना के आधार पर की गई। एसटीएसएफ की जबलपुर इकाई ने कटनी जिले के झिन्ना पिपरिया-खमतरा-ढीमरखेड़ा क्षेत्र में घेराबंदी कर आरोपियों को पकड़ा।*

जीएसटी बकायादारों पर सख्त कार्रवाई जारी

दो करोड़ 7 लाख रुपये की बकाया राशि दो सप्ताह में वसूले

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः *वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) अधिनियम के अंतर्गत शासकीय मांग की वसूली के लिए वाणिज्यिक कर विभाग द्वारा बड़े कर बकायेदारों के विरुद्ध सघन कार्रवाई जारी है। विभाग द्वारा बकाया कर राशि वसूली के लिए विभिन्न वैधानिक उपाय अपनाए जा रहे हैं, जिनमें बकायेदारों की अचल संपत्तियों की कुर्की सहित अन्य प्रभावी कार्रवाई शामिल हैं। विभागीय कार्रवाई के सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं। पिछले सप्ताह विभाग द्वारा की गई कार्रवाई के फलस्वरूप 91 लाख रुपये की बकाया राशि शासकीय खाते में जमा कराई गई थी। इस सप्ताह सोमेश, वशिष्ठ कंस्ट्रक्शन तथा अन्य बकायेदारों से 1 करोड़ 4 लाख रुपये की बकाया राशि जमा कराई गई है। इस प्रकार वाणिज्यिक कर विभाग, भोपाल द्वारा पिछले दो सप्ताह में कुल 2 करोड़ 7 लाख रुपये की बकाया राशि की वसूली सुनिश्चित की गई है। विभाग ने स्पष्ट किया है कि शासकीय राजस्व की सुरक्षा एवं कर अनुपालन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से बकायेदारों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई आगे भी निरंतर जारी रहेगी।*

मुख्यमंत्री ने विश्व योगासन चैम्पियनशिप 2026 के पदक विजेताओं को दी बधाई

- **पहली विश्व योगासन चैम्पियनशिप में भारतीय खिलाड़ियों ने लहराया परचम**
- **प्रतियोगिता में 102 स्वर्ण सहित कुल 114 पदक जीतकर देश को किया गौरवान्वित**

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने पहली विश्व योगासन चैम्पियनशिप 2026 के पदक विजेता खिलाड़ियों को बधाई और उनके उज्जवल भविष्य के लिए कामना की हैं। उल्लेखनीय है कि यह प्रतियोगिता हाल ही में गुजरात के अहमदाबाद में आयोजित की गई। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अपने संदेश में कहा कि हमारे खिलाड़ियों ने विश्व पटल पर भारत की योग शक्ति का 'स्वर्णिम' परचम लहराया है। विश्व योगासन चैम्पियनशिप 2026 में भारतीय खिलाड़ियों ने अद्भुत प्रदर्शन करते हुए 102 स्वर्ण, 9 रजत और 3 कांस्य सहित कुल 114 पदक जीतकर देशवासियों को गौरवान्वित किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि यह सफलता भारत की समृद्ध ऋषि परंपरा, योग साधना और सांस्कृतिक चेतना की वैश्विक प्रतिष्ठा का प्रमाण है।

मंत्रालय की गुफ्तगु...

• डॉ. शिशिर उपाध्याय

• महीनों से बिना काम के बैठे साहब, सजा मिली या सरकारी मौज?

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के औचक निरीक्षण और प्रशासनिक कसावट की कवायद के बाद कई अधिकारियों की कुर्सियां तो चली गईं, लेकिन कुछ साहब अब भी मंत्रालय में बिना काम के विराजमान हैं। तनख्वाह समय पर, सरकारी गाड़ी जस की तस और सुविधाओं में कोई कमी नहीं। बस काम नाम की चीज गायब है। अब मंत्रालय के गलियारों में फुसफुसाहट यही है कि यह प्रशासनिक सजा है या सरकारी खर्च पर आराम फरमाने का सुनहरा मौका।

• जिम्मेदारी वाली कुर्सी से दूरी क्यों ?

एक दौर था जब इस विभाग का प्रमुख बनना सत्ता के सबसे ताकतवर अफसरों की पहचान माना जाता था। इस कुर्सी के लिए लोग एड़ी-चोटी का जोर लगाते थे। लेकिन अब हालात ऐसे हैं कि जो इस कुर्सी पर बैठता है, वह जल्द से जल्द उठने का रास्ता तलाशने लगता है।

पिछले एक साल में तीन नौकरशाह इस महत्वपूर्ण पद पर आ चुके हैं, लेकिन किसी का मन यहां टिक नहीं पाया। मंत्रालय के गलियारों में चर्चा गर्म है कि आखिर इस कुर्सी में ऐसा कौन-सा कांटा है, जो बैठते ही चुभने लगता है।

• मैडम का जलवा और भावुक विदाई...

एक महत्वपूर्ण जिले में लंबे समय से पदस्थ मैडम का रुतबा किसी से छिपा नहीं था। काम भी हुआ और प्रभाव भी खूब रहा। लेकिन तबादले का आदेश आया तो पहले उसे रुकवाने की हरसंभव कोशिश हुई। जब बात नहीं बनी तो भारी मन से विदाई लेनी पड़ी। विदाई समारोह में भावनाएं भी बह निकलीं और शुभकामनाओं की बारिश भी हुई। कुछ शुभचिंतकों ने तो यहां तक कह दिया कि 'मैडम, आपकी वापसी तय है।' अब यह भविष्यवाणी है या सांत्वना, यह वक्त ही बताएगा।

• बीमारी का बहाना या बोरिया-बिस्तर समेटने की तैयारी ?

तबादले के आदेश आते ही जहां अधिकांश अधिकारी नई जगह रवाना हो गए, वहीं एक साहब अचानक अस्वस्थ हो गए। जो कल तक पूरी तरह चुस्त-दुरुस्त थे, वे अब कुछ दिनों की मोहलत मांग रहे हैं।

गलियारों की मानें तो बीमारी कम और वर्षों की जमावट समेटने की चिंता ज्यादा है। साहब चाहते हैं कि थोड़ा वक्त मिल जाए, ताकि हिसाब-किताब बराबर कर आराम से विदा ली जाए। लेकिन फिलहाल ऊपर से मिले सख्त निर्देश उनकी इस इच्छा पर भारी पड़ते नजर आ रहे हैं।

• मौसम था आशिकाना, पर माहौल हो गया बेगाना...

सीमावर्ती जिले के एक साहब और दूसरे जिले के उनके समकक्ष के बीच की नजदीकियां लंबे समय से चर्चा का विषय थीं। मीटिंग और दौरों के बहाने मुलाकातों का सिलसिला भी चलता रहा।

लेकिन पिछले दिनों मामला सार्वजनिक होने की कगार पर पहुंच गया। जैसे-तैसे बात संभाल ली गई और पर्दा गिरा दिया गया। आखिर मामला सिर्फ दो अधिकारियों का नहीं, दो परिवारों की साख का भी था। अब दोनों ओर खामोशी है, लेकिन गलियारों में कानाफूसी पहले से ज्यादा तेज है।

• किए-कराए पर पानी, कागजों की सफाई आंधी में उड़ गई...

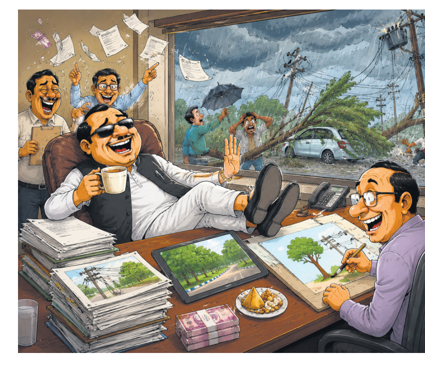

बेमौसम बारिश और तेज आंधी ने कई विभागों के दावों की असलियत उजागर कर दी। फाइलों में तो महीनों पहले पेड़ों की कटाई, नालियों की सफाई और बिजली लाइनों की सुरक्षा का काम पूरा हो चुका था। बजट भी खर्च हो गया था और रिपोर्टें भी चमक रही थीं।

लेकिन पहली ही तेज बारिश और आंधी ने कागजी विकास की परत उधेड़ दी। पेड़ वहीं खड़े मिले, नालियां वहीं जाम मिलीं और बिजली व्यवस्था भी पुराने हाल में दिखी। अब लोग कह रहे हैं कि कागजों पर काम जरूर हुआ था, बस जमीन तक पहुंचते-पहुंचते शायद रास्ता भटक गया।

मेसर्स दैनिक नईदुनिया के लिए प्रकाशक अपूर्व तिवारी के द्वारा 2, इंदिरा प्रेस काम्पलेक्स, महाराणा प्रताप नगर, ज़ोन-1,भोपाल-462011 से प्रकाशित एवं मुद्रक डॉ. विश्वास तिवारी के द्वारा नईदुनिया प. प्रा.लि., 2, इंदिरा प्रेस काम्पलेक्स, महाराणा प्रताप नगर, ज़ोन-1, भोपाल-462011 से मुद्रित। प्रबंध संपादकः डॉ. सुरेन्द्र तिवारी एवं संपादकः अपूर्व तिवारी। *
फोन-0755-2550900-01, e-mail : naidunia@gmail.com (* समाचार पत्र से संबंधित सभी प्रकार के विवादों के लिए न्याय क्षेत्र सिर्फ भोपाल होगा।) आर.एन.आई. रजि. क्र. 47694/88, www.naiduniaonline.com